राष्ट्र भक्ति

प्रेम भक्ति विज्ञान धन रक्षित जिससे अन्य।
जन जीवन संस्कृति स्वयं राष्ट्र प्रेम वह धन्य।

सकल अभ्युदय का सबल एकाकी जो हेतु।
उठा सका जिस के विना कौन विजय का केतु।

शिव कुमार मिश्र
भोपाल।
16.8.2022